21.05.25 पत्रावली पेश हुई। पैरोकार राज की बहस पर मनन करने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर वादी का वाद स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया जाकर संलग्न किया गया। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय मे सुनाया गया।

[signature] 21.05.25

(किरण पाल)

RAS.